शिकानसेन ट्रेनें और बुलेट ट्रेन परियोजना

स्रोत: बिज़नेस स्टैंडर्ड

जापान **वर्ष 2026 तक भारत को दो निःशुल्क शिकानसेन ट्रेन सेट (E5 और E3 शृंखला)** प्रदान करेगा।

- **शिकानसेन ट्रेन (E5 शृंखला):** इसका उपयोग **वर्ष 2011** से जारी है। **320 किमी/घंटा** की गति के साथ, इसे शुरू में **भारत की पहली बुलेट ट्रेन लाइन के लिये चुना गया था**।
  - अपने **वायुगतिकीय डिज़ाइन**, उन्नत सुरक्षा प्रणालियों और सुगम सवारी गुणवत्ता के लिये जाना जाने वाला यह **हाई-स्पीड रेल प्रौद्योगिकी का अत्याधुनिक उदाहरण** है।
- **शिकानसेन ट्रेन (E3 शृंखला):** यह अपेक्षाकृत **धीमा और पुराना मॉडल** है, जिसका **उपयोग मुख्य रूप से मिनी-शिकानसेन सेवाओं के लिये** किया जाता है, इसमें **E5 शृंखला के समान विशेषताएँ हैं**, जैसे सुरक्षा तंत्र।
- **बुलेट ट्रेन परियोजना (मुंबई-अहमदाबाद): राष्ट्रीय हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NHSRCL)** द्वारा कार्यान्वित इस परियोजना में जापानी शिकानसेन प्रौद्योगिकी का उपयोग शामिल है।
  - इस परियोजना को **जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (JICA)** द्वारा वित्त पोषित किया गया है, जो **लागत का लगभग 80%** वहन करती है।
  - इस परियोजना को **शुरू में वर्ष 2022 तक पूरा किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था**, लेकिन अब इसकी समय-सीमा में विस्तार कर इसे **वर्ष 2028** कर दिया गया है।
  - **मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर** भारत की राष्ट्रीय रेल योजना (NRP) 2030 का हिस्सा है।

और पढ़ें: भारतीय रेलवे का पुनरुद्धार, भारत-जापान संबंध

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/shinkansen-trains-and-bullet-train-project